CLASS-IX 2nd TERM EXAMINATION, NOVEMBER-202

कक्षा - IX द्वितीय सावधिक परीक्षा, नवम्बर - 2024

NOV IX-24

HINDI (MT)

मातृभाषा हिन्दी

(समय : 1 घंटा 30 मिनट)

[Time : 1 Hour 30 Minutes]

विषय कोड/Sub. Code : 101

(पूर्णांक : 5

[Full Marks : 5

प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों के अंतर्गत दिये गये निर्देशों का अनुसरण करें तथा उनके अनुसार उत्तर दें।

खण्ड – अ

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. *निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 - 200 शब्दों में निबंध लिखें :*

   (i) गणतंत्र दिवस

   (ii) मेरी दिनचर्या

   (iii) छठ पूजा

   (iv) मेरी जन्मभूमि ।

2. अपनी बहन की शादी का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें ।

अथवा

मलेरिया के प्रकोप पर

(iv) मेरी जन्मभूमि ।

2. अपनी बहन की शादी का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें ।

अथवा

मलेरिया के प्रकोप पर छात्र और शिक्षक के बीच के संवाद को लिखें ।

3. ***निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें :***

(i) 'मधुबनी चित्रकला' शीर्षक पाठ के अनुसार प्राकृतिक रंगों को कैसे बनाया जाता है ?

(ii) छापाकला के विशेषज्ञ शिक्षक श्याम शर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iii) लेखक रामकुमार के अनुसार टॉल्सटाय ने अपनी समाधि के विषय में क्या कहा था ?

(iv) लेखक रामकुमार रचित किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखें ।

(v) 'अष्टावक्र' शीर्षक पाठ के लेखक कौन हैं तथा इस पाठ की विधा क्या है ?

(vi) 'मोरों-सा नर्तन' के पीछे कवि केदारनाथ अग्रवाल का तात्पर्य क्या है ?

(vii) 'आ रही रवि की सवारी' शीर्षक कविता [redacted] किन्हीं दो पंक्तियों को लिखें ।

(viii) महादेवी वर्मा किस वाद की कव[redacted] इनकी किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें ।

(ix) कवि अयोध्या सिंह [redacted]हरिऔ[redacted] को भार क्यों भा रहा है ?

(x) 'काल' को परिभाषि[redacted]

4. ***निम्नलिखित गद्यांश को[redacted]नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें :***

बाल्यावस्था जीवन की वह अवस्था है जिसमें जीवन का सार छुपा रहता है । बाल्यावस्था में हम ग्रहण करते हैं वही आगे चलकर आदत बन जाती है । सद्गुणों के विकास की उत्तम अवस्था बा मनुष्य के विकास में इस अवस्था का बड़ा ही महत्त्व है । हमें बालकों को अच्छी-अच्छी नीतिपू कहानियों को सुनाना चाहिए जिससे वे आगे चलकर एक आदर्श मानव बन सकें ।

(i) इस गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें ।

(ii) बाल्यावस्था जीवन की कैसी अवस्था है ?

(iii) आदत कैसे बन जाती है ?

4. *निम्नलिखित गद्यांश को [illegible]कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें :*

बाल्यावस्था जीवन की वह अवस्था है जिसमें जीवन का सार छुपा रहता है । बाल्यावस्था में हम जैसी ग्रहण करते हैं वही आगे चलकर आदत बन जाती है । सद्गुणों के विकास की उत्तम अवस्था बाल्याव मनुष्य के विकास में इस अवस्था का बड़ा ही महत्त्व है । हमें बालकों को अच्छी-अच्छी नीतिपूर्ण ए कहानियों को सुनाना चाहिए जिससे वे आगे चलकर एक आदर्श मानव बन सकें ।

(i) इस गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें ।

(ii) बाल्यावस्था जीवन की कैसी अवस्था है ?

(iii) आदत कैसे बन जाती है ?

(iv) मनुष्य के विकास में किस अवस्था का बड़ा महत्त्व है ?

(v) हमें बालकों को कैसी कहानियाँ सुनानी चाहिए ?

1.(i) गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी

12 A, 21 A

विषय-प्रवेश : गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) का भारतवासियों के जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। सदियों की गुलामी से त्रस्त देशभक्तों ने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता का शंखनाद किया। लाखों के बलिदान के पश्चात् दासता से मुक्ति मिली और गणतंत्र की स्थापना इसी दिन हुई।

पृष्ठभूमि : स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान अनेक नाजुक क्षण आए। किंतु गाँधीजी ने स्वाधीनता संग्राम को नया आयाम दिया। इसी बीच सन् 1929 ई० में पवित्र रावी के तट पर, लाहौर अधिवेशन में, तत्कालीन काँग्रेस अध्यक्ष पं० जवाहरलाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज्य की घोषण की। तभी से उस दिन (26 जनवरी) स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा। किन्तु 1947 ई० में आजादी के बाद जब संविधान बना और वयस्क मताधिकार अंगीकृत हुआ तो 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। गवर्नर जेनरल का पद समाप्त कर राष्ट्रपति पद की व्यवस्था की गई और 26 जनवरी, 1950 ई० को डा० राजेन्द्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बने।

विशेषता एवं महत्त्व : भारत में इस दिन का उतना ही महत्त्वपूर्ण स्थान है जितना कि होली, दीपावली का हिन्दुओं के लिए, क्रिसमस का ईसाइयों के लिए तथा ईद, मुहर्रम, मुसलमानों के लिए। 26 जनवरी के दिन देश के सभी राज्यों की राजधानियों में बड़ी धूमधाम से विशेष समारोह आयोजित होते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति राष्ट्रध्वज फहराते हैं और सेना की टुकड़ियाँ सलामी देती हैं। फिर रंगारंग झाँकियाँ निकलती हैं जिनमें देश की प्रगति की झलक होती है। समाज और सेना के विभिन्न क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण कार्य करने वालों के लिए पद्म अलंकारों की घोषणा होती है और बहादुर बच्चे एवं सैनिक सम्मानित किए जाते हैं।

कार्यक्रम : राज्यों की राजधानियों में राज्यपाल ध्वजारोहण करते हैं और सैनिक टुकड़ियाँ, छात्रवाहनियाँ सलामी देती हैं। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। राष्ट्रसेवा के लिए व्रत लिया जाता है।

उपसंहार : अतः हमें सतत् ध्यान रखना चाहिए। इस पवित्र तिथि का उद्देश्य कभी भी धूमिल न होने पावे और हम अपने गणतंत्र की बागडोर वैसे सच्चे प्रतिनिधि को ही सौंपें जिनसे देश का कल्याण हो।

उत्तर— **2. अथवा**

अशोक : हाय दीपक! कैसे हो यार? कितने दिनों बाद मिल रहे हो।

दीपक : ओह! तुम! कहो कैसे हो? मैं ठीक हूँ।

अशोक : कहाँ जा रहे हो?

दीपक : मैं डॉक्टर के पास जा रहा हूँ। परीक्षा की व्यस्तता के कारण नहीं जा सका। साँस फूलती है और खाँसी तो रूकने का नाम ही नहीं लेती।

अशोक : मैं अपने बारे में क्या बताऊँ? मैं भी डॉक्टर के इलाज में हूँ। महीने भर से दवाइयाँ ले रहा हूँ। फायदा नहीं हो रहा है।

दीपक : ये प्रदूषण जानलेवा है। मौत का कारण भी यही है। डॉक्टर बेचारा भी क्या करे। जल, वायु, मिट्टी, धुँआ सभी प्रदूषित है। खान-पान भी प्रदूषित है।

अशोक : मेरे घर में अस्थमा के कई रोगी है। अभी हाल में ही मेरी माता जी चल बसीं।

दीपक : लेकिन क्या करें?

अशोक : पानी स्वच्छ रखो, जंकफूड से बचो। धूल, धुएँ से बचो। जहाँ तक हो सके गाड़ियों की जाँच प्रदूषण सेन्टर पर कराते रहो।

दीपक : हाँ, हाँ। अपने आस-पास सफाई एवं स्वच्छता का ध्यान रखे। मुँह पर मास्क लगाकर चलो।

अशोक : इतना तो मैं भी जानता हूँ लेकिन शहर का क्या करें। उसे कैसे प्रदूषण मुक्त बनाएँ।

दीपक : हम सभी नागरिकों को ही पहल करनी होगी।

अशोक : ठीक है। फिर मिलते हैं।

3.(I)

पारंपरिक रूप से प्रयुक्त रंग इस प्रकार थे: लाल रंग के लिए पिसे हुए सरसों के बीजों में मिश्रित सिंदूर का चूर्ण, हरापन लिए कालिख के साथ मिश्रित गाय का गोबर, सफेद रंग के लिए चावल का पेस्ट, नींबू के पीले रंग के लिए पेवड़ी, पीले गेरू के लिए हल्दी, नीले रंग के लिए नील, नारंगी रंग के लिए पलाश के फूल, हरे रंग के लिए बिल्व पत्र, तथा भारतीय लाल रंग के लिए लाल मिट्टी।

3.(ii)

गोवर्धन पर्वत की भूमि पर **1941 में** जन्मे श्याम शर्मा ने छापाकला को अपनी निरंतर साधना की अंगुली पर उठाकर पर्वत की ऊंचाई तो दे दी, लेकिन उनके व्यवहार में अहंकार के पहाड़ कभी नहीं उभरे। बिहार सरकार ने 2008 में उन्हें कला शिक्षा शिखर सम्मान और 2017 में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

3.(iii)

लेखक रामकुमार वर्मा की चार रचनाओं के नाम ये रहे: **पृथ्वीराज की आँखें (1938 ई.), चारुमित्रा, रेशमी टाई (1941 ई.), विजय पर्व**.

3.(viii)

इस तरह महादेवी वर्मा फिर सिद्धहस्त हो खुले रूप में लिखने लगीं। ऐसा है महादेवी वर्मा का रचना संसार: कविता संग्रह: महादेवी वर्मा के आठ कविता संग्रह हैं- **नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1934), सांध्यगीत (1936), दीपशिखा (1942), सप्तपर्णा (अनूदित 1959), प्रथम आयाम (1974), और अग्निरेखा (1990).**

3.(x)

काल का अर्थ है, 'समय'. **क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कोई काम कब किया गया, हो रहा है या होगा, उसे काल कहते हैं.**

काल, क्रिया का एक रूप है, जो समय को व्यक्त करने में मदद करता है. यह बताता है कि कोई घटना या चीज़ कब अस्तित्व में थी या किसी व्यक्ति ने कब कुछ किया था.

4.(i) हमें बालकों को अच्छी-अच्छी नीतिपूर्ण एक कहानियों को सुनाना चाहिए जिससे वे आगे चलकर एक आदर्श मानव बन सकें

(ii) बाल्यावस्था जीवन की वह अवस्था है

(iii) बाल्यावस्था में हम जैसी ग्रहण करते हैं वही आगे चलकर आदत बन जाती है

(iv) सद्गुणों के विकास की उत्तम अवस्था बाल्याव मनुष्य के विकास में इस अवस्था का बड़ा ही महत्त्व है

(v) हमें बालकों को अच्छी-अच्छी नीतिपूर्ण एक कहानियों को सुनाना चाहिए